आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ

शोध पीठ का शुभारम्भ (20.06.2024)

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 सुधासागर महाराज जी, क्षुल्लक 105 गंभीरसागर जी महाराज की प्रेरणा से एवं माननीय कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक जी के निर्देशन में दिनांक 20 जून 2024 को छत्रपति शाहूजी जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर उत्तर प्रदेश के अंतर्गत आचार्य श्री विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ का शुभारम्भ वीरांगना लक्ष्मीबाई सभागार में किया गया था | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असीम अरुण समाज कल्याण मंत्री उ.प्र. सरकार, विशिष्ट अतिथि प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल निदेशक आई.आई.टी. कानपुर, अध्यक्षता कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, प्रति-कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ. अनिल यादव एवं भारत के सुप्रसिद्ध जैन विद्या मनिशी प्रो. डॉ. श्रेयांश कुमार जैन बडौत, प्रो. फूलचन्द्र प्रेमी, प्रतिष्ठाचार्य पवन कुमार दीवान, डॉ. आशीष जैन "आचार्य ", ब्रह्मचारी वीरेन्द्र भईया जी, पं. राहुल कुमार जैन, विशिष्ट विद्वानों के रूप में आमंत्रित हुए| इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध न्यास मण्डल के प्रमुख प्रदीप जैन "तिजारा वाले", महेंद्र जैन कटारिया सी.ए. सुधीन्द्र जैन, सी.ए. अरविंद जैन, कमल जैन, पीठ सचिव पं. सुमित कुमार जैन "शास्त्री", राकेश जैन की उपस्थिति रही | इस अवसर पर कुलपति महोदय ने कहा- जैन दर्शन पर अधिक से अधिक शोध होना चाहिए , जैन धर्म के अनुसार आहारचर्या का डायबिटीज पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है इस पर शोध किए जाने की आवश्यकता है| प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने कहा- कि भारत का प्राचीन साहित्य जिसे जैन दर्शन में आगम कहा गया है, वह पांडुलिपियों के रूप में इधर-उधर बिखरा पडा है | यह पीठ उसको एकत्र कर ओसिआर टेक्नोलॉजी के माध्यम से संरक्षित करने का काम करेगी तथा आई.आई.टी. कानपुर के साथ मिलकर इन प्राचीन साहित्य के आपसी संबंधों को ए.आई. टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्थापित करने का कार्य करेगी | असीम अरुण ने कहा – विश्व गुरु बनने से पहले हम विश्व शिष्य बनें, हम अपनी रिसर्च की जबरदस्त मार्केटिंग भी करें, उन्होंने कहा कि जैन धर्म हमें त्याग और तपस्या का रास्ता दिखाता है | प्रो. फूलचन्द्र प्रेमी एवं अतिथि वक्ता डॉ. श्रेयांश कुमार जैन बडौत ने जैन सिद्धांत वर्त्तमान परिपेक्ष में सर्वाधिक प्रसांगिक पर अपना वक्तव्य दिया |

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आचार्य श्री विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ का हुआ भव्य शुभारंभ

जैन धर्म हमें त्याग और तपस्या का रास्ता दिखाता है : असीम अरुण

कानपुर । छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत आचार्य श्री विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ का शुभारंभ वीरांगना लक्ष्मीबाई सभागार में किया गया। दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असीम अरुण जी (समाज कल्याण मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार), विशिष्ट अतिथि - प्रो0 मणींद्र अग्रवाल , निदेशक, आईआईटी कानपुर, अध्यक्षता कुलपति माननीय प्रो0 विनय कुमार पाठक, प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर अवस्थी, कुलसचिव डा0 अनिल यादव, डॉक्टर राजतिलक, प्रदीप जैन, सुधींद्र जैन, अरविंद जैन, राकेश जैन, राजीव जैन की उपस्थिति रही। मंगलाचरण वीरेन्द्र जैन शास्त्री हीरापुर, राहुल जैन शास्त्री द्वारा किया गया। कुलपति ने कहा जैन दर्शन पर अधिक से अधिक शोध होना चाहिए। जैन धर्म के अनुसार आहार-चर्या का डायबिटीस पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है, इस पर शोध

किए जाने की आवश्यकता है। प्रो0 मणींद्र अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का प्राचीन साहित्य जिसे जैन दर्शन में आगम कहा गया है, वह पांडु लिपियों के रुप में इधर-उधर विखरा पड़ा है, यह पीठ उसको एकत्र कर ओसिआर टेक्नांलॉजी के माध्यम से संरक्षित करने का काम करेगी तथा, आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर इन प्राचीन साहित्यों के आपसी सम्बन्धों को ए.आई. टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्थापित करने का कार्य करेगी जोकि भविष्य के शोध के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। असीम अरुण ने कहा विश्व गुरु बनने से पहले हम विश्व शिष्य बने। हम अपनी रिसर्च की जबरजस्त मार्केटिंग भी करें, जिससे हम इस रिसर्च को जन-जन तक भेज सकें। उन्होंने कहा कि जैन धर्म हमें त्याग और तपस्या का रास्ता दिखाता है।द्वितीय सत्र में सभापति प्रो फूलचंद जैन प्रेमी वाराणसी, अतिथि वक्ता - डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत (अध्यक्ष, अ भा. दि. जैन शास्त्री परिषद) ने जैन सिद्धांत वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सर्वाधिक प्रासंगिक पर अपना वक्तव्य दिया, और जैन पीठ के कार्यों को योजना पर भी मार्गदर्शन दिया।

एआइ से जैन प्रतिलिपियों का रखा जाएगा सुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जैन धर्म पर अध्ययन के लिये सीएसजेएमयू में बनेगी शोधपीठ

कुलपति प्रो. सुधीर कुमार।

जैन धर्म, साहित्य व धरोहर पर चलेंगे कोर्स

'विश्व गुरु से पहले शिष्य बनने की जरूरत'

आचार्य श्री विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ का शुभारंभ

रुकी छात्रवृत्ति होगी जारी : असीम अरुण

सीएसजेएमयू में होगी आचार्य विद्यासागर जैन शोध पीठ की स्थापना

जैन धर्म, साहित्य और धरोहर पर चलेंगे डिग्री, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स

जैन धर्म पर शोध की दो पीएचडी की सीटें आरक्षित, आनलाइन व आफलाइन कोर्सेज

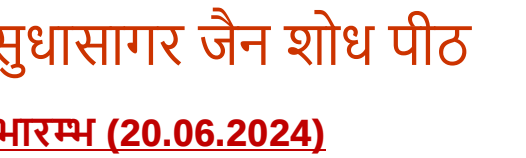

जैन धर्म की पांडुलिपियों को महफूज करेगा आईआईटी

छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति

की पांडुलिपियों को आईआईटी की तकनीक से रखेंगे महफूज

जैन धर्म और दर्शन पर रिसर्च कराएगा सीएसजेएमयू

NEXT CITY FOCUS//

सीएसजेएमयू में जैन दर्शन और जैन हिस्ट्री पर चलेंगे कोर्स

डॉ. आशीष जैन "आचार्य", पं. पवन कुमार दीवान ने जैन आगम की प्रमुख भाषा प्राकृत के विस्तार एवं शोध की आवश्यकता पर अपना व्याख्यान दिया प्राकृत भाषा जन-जन की भाषा है, इसमें मधुरता है प्राकृत भाषा में रचित जैन साहित्य के संग्रह की महती आवश्यकता है | डॉ. अंगद सिंह द्वारा शोध कार्यों की आवश्यकता पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया | कार्यक्रम का मंगलाचरण पं. राहुल जैन 'शास्त्री' एवं जैन पीठ के सचिव पं. सुमित कुमार जैन "शास्त्री" ने मंच-संचालन किया आभार प्रदर्शन वीरेंद्र जैन "शास्त्री" द्वारा किया गया |

AACA++

AACA++

जैन शोध पीठ
ालय, कानपुर

पीठ
नपुर

र्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ
शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

सुधासागर जैन शोध पीठ
राज विश्वविद्यालय, कानपुर
20 जून 2024

समन्वय समिति
श्री ए. अरविन्द जैन
श्री ए. सुरेन्द्र कुमार जैन

आचार्य विद्यासागर सुधासागर जै
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्याल
गुरुवार, 20 जून 2024
शुभारम्भ
समन्वय समिति

आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
गुरुवार, 20 जून 2024
शुभारम्भ

आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
गुरुवार, 20 जून 2024
शुभारम्भ

गुरुवार, 20 जून 2024
शुभारम्भ
समन्वय समिति

आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
गुरुवार, 20 जून 2024
शुभारम्भ

सुस्वागतम्
वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह
NAAC A++